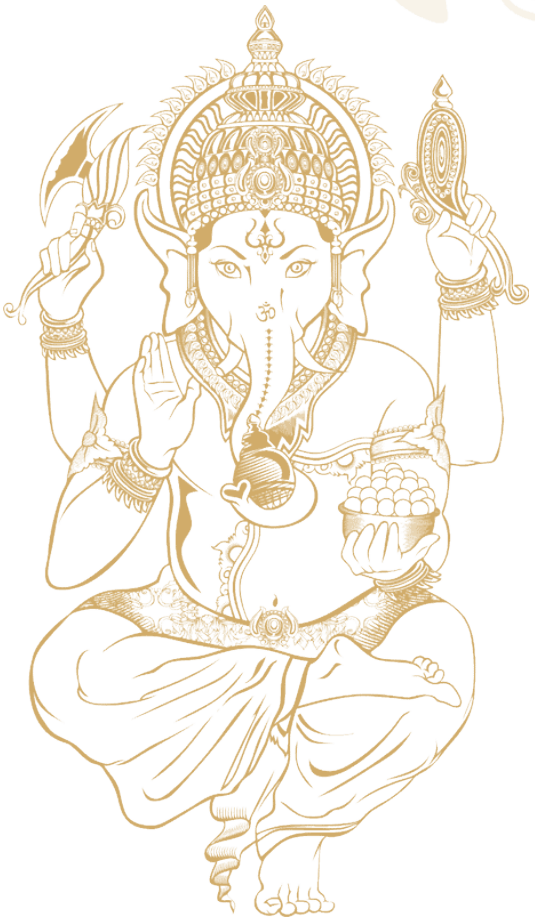

22 Mar 2026

12:01 PM

Indore

Model: web-freekundliweb

Order No: 121935106

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22/03/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**12:01:00 घंटे**
इष्ट	13:49:54 घटी
स्थान	**Indore**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:42:00 उत्तर
रेखांश	75:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:34:36 घंटे
वेलान्तर	-00:06:54 घंटे
साम्पातिक काल	23:33:43 घंटे
सूर्योदय	06:29:02 घंटे
सूर्यास्त	18:37:58 घंटे
दिनमान	12:08:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	07:25:15 मीन
लग्न के अंश	09:18:50 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वैधृति
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ले-लेखपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	09:18:50	327:12:53	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	---
सूर्य			मीन	07:25:15	00:59:35	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	20:12:32	14:29:44	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	21:15:57	00:47:08	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध			कुंभ	14:22:07	00:08:24	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
गुरु			मिथु	21:03:45	00:02:09	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	25:24:35	01:14:14	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	10:06:32	00:07:29	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:35:53	00:03:02	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:35:53	00:03:02	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:08:28	00:02:15	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:36:40	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:48:51	00:01:12	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	28:37:19	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

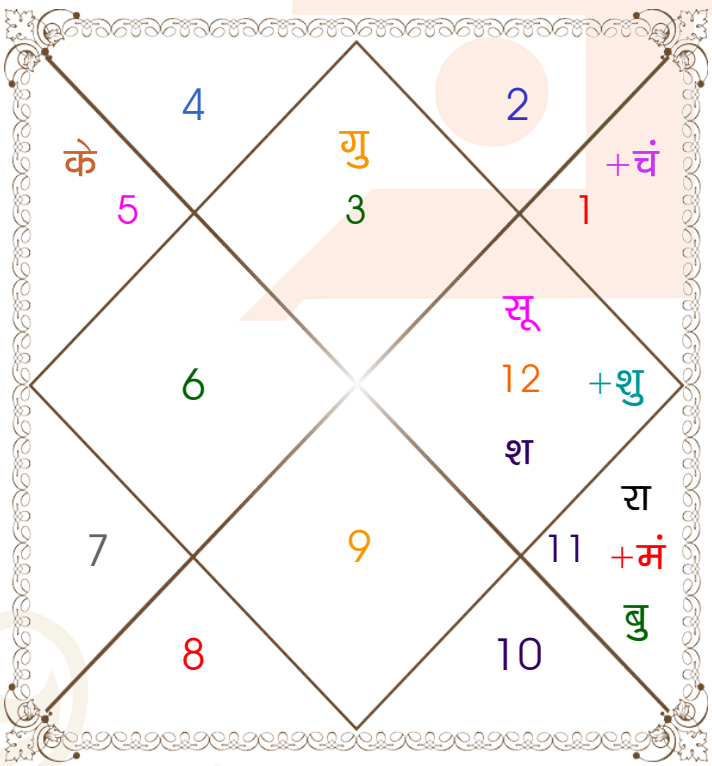

चन्द्र कुंडली

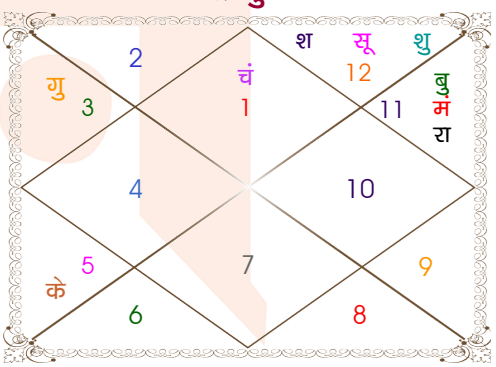

नवमांश कुंडली

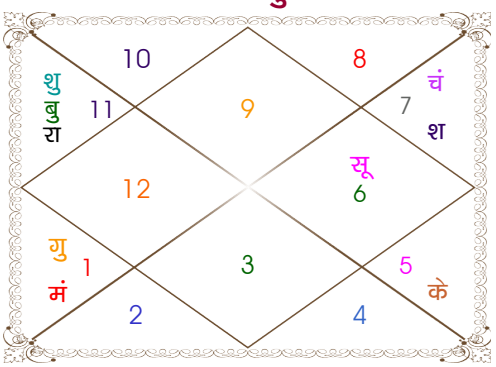

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 9 वर्ष 8 मास 7 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
22/03/2026		28/11/2035		28/11/2041		28/11/2051		28/11/2058	
28/11/2035		28/11/2041		28/11/2051		28/11/2058		27/11/2076	
	00/00/0000	सूर्य	17/03/2036	चंद्र	28/09/2042	मंगल	25/04/2052	राहु	10/08/2061
	00/00/0000	चंद्र	15/09/2036	मंगल	29/04/2043	राहु	14/05/2053	गुरु	04/01/2064
	00/00/0000	मंगल	21/01/2037	राहु	28/10/2044	गुरु	20/04/2054	शनि	10/11/2066
	00/00/0000	राहु	16/12/2037	गुरु	27/02/2046	शनि	29/05/2055	बुध	29/05/2069
	22/03/2026	गुरु	04/10/2038	शनि	28/09/2047	बुध	26/05/2056	केतु	16/06/2070
गुरु	27/09/2028	शनि	16/09/2039	बुध	27/02/2049	केतु	22/10/2056	शुक्र	16/06/2073
शनि	28/11/2031	बुध	23/07/2040	केतु	28/09/2049	शुक्र	22/12/2057	सूर्य	11/05/2074
बुध	28/09/2034	केतु	27/11/2040	शुक्र	29/05/2051	सूर्य	29/04/2058	चंद्र	10/11/2075
केतु	28/11/2035	शुक्र	28/11/2041	सूर्य	28/11/2051	चंद्र	28/11/2058	मंगल	27/11/2076

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
27/11/2076		27/11/2092		29/11/2111		28/11/2128		29/11/2135	
27/11/2092		29/11/2111		28/11/2128		29/11/2135		00/00/0000	
गुरु	16/01/2079	शनि	01/12/2095	बुध	27/04/2114	केतु	26/04/2129	शुक्र	31/03/2139
शनि	29/07/2081	बुध	10/08/2098	केतु	24/04/2115	शुक्र	27/06/2130	सूर्य	30/03/2140
बुध	04/11/2083	केतु	19/09/2099	शुक्र	22/02/2118	सूर्य	01/11/2130	चंद्र	29/11/2141
केतु	10/10/2084	शुक्र	20/11/2102	सूर्य	29/12/2118	चंद्र	03/06/2131	मंगल	29/01/2143
शुक्र	11/06/2087	सूर्य	02/11/2103	चंद्र	30/05/2120	मंगल	30/10/2131	राहु	28/01/2146
सूर्य	29/03/2088	चंद्र	02/06/2105	मंगल	27/05/2121	राहु	16/11/2132	गुरु	23/03/2146
चंद्र	29/07/2089	मंगल	12/07/2106	राहु	14/12/2123	गुरु	23/10/2133		00/00/0000
मंगल	05/07/2090	राहु	18/05/2109	गुरु	21/03/2126	शनि	02/12/2134		00/00/0000
राहु	27/11/2092	गुरु	29/11/2111	शनि	28/11/2128	बुध	29/11/2135		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 9 वर्ष 8 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।